सत्यमेव जयते

Himalayan Forest Research Institute, Shimla

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत का अमृत महोत्सव के तहत पहाड़ी बांस: आजीविका का एक साधन विषय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम की रिपोर्ट

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "पहाड़ी बांस: आजीविका का एक साधन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण स्टेशन, मशोबरा, शिमला (हि॰ प्र॰) के सहयोग से 13 जुलाई, 2022 को माशोबरा, शिमला में किया गया। इस कार्यक्रम में मशोबरा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 35 किसानो ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय बांस मिशन, (बी॰टी॰एस॰जी॰-आई॰सी॰एफ॰आर॰ई॰) के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर डॉ॰ संदीप शर्मा, प्रभारी निदेशक, हि॰व॰अ॰स॰, शिमला, द्वारा ग्रामीणों को संस्थान गतिविधियों के साथ- साथ पहाड़ी बांस की उपयोगिता, इसके लाभ तथा जीविकापार्जन में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी और आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग लाभान्वित होंगे। इस कार्यक्रम के अवसर पर डॉ॰ दिनेश सिंह ठाकुर, एसोसिएट डायरेक्टर (अनुसंधान और विस्तार), क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण स्टेशन, मशोबरा भी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रतिभागियों के साथ अपने विचार साझा करते हुए बताया कि कि बांस एक बहुउद्देशीय पौधा है और इसे समेकित कृषि प्रणाली में अन्य कृषि फसलों व बागवानी के साथ बढ़ावा दिया दिया जाना चाहिए, जिससे कि किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी की जा सके। डॉ॰ प्रवीन रावत, वैज्ञानिक, अनुवांशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग ने पहाड़ी बांस की उपयोगिता, इसका प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, व रोपण विधि पर विस्तृत जानकारी दी और साथ ही विभिन्न बांस के कायिक प्रवर्धन (Vegetative propgation) के तरीको का प्रदर्शन भी किया गया। डॉ. बालकृष्ण तिवारी, वैज्ञानिक ने बांस के उत्तम पौधों के चयन, इनके ऊतक संवर्धन तकनीक के माध्यम से बड़े

पैमाने पर उत्पादन करने की तकनीक एवं रोपण के समय बरती जाने वाली सावधानियो के बारे में जानकारी दी। डॉ० जगदीश सिंह, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय बांस मिशन के लक्ष्यों , उद्देश्यों व हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय बांस मिशन के ,अंतर्गत चल रही परियोजना के बारे में बताया और साथ ही पहाड़ी राज्यों में विभिन्न औषधीय पौधे, उनकी कृषिकरण व विपणन तकनीक पर विस्तृत व्यख्यान दिया। डॉ. उषा वैज्ञानिक क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण स्टेशन, मशोबरा क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण स्टेशन, मशोबरा ने तकनीकी सत्र में अपने व्यख्यान में बताया की बांस को अन्य परंपरागत फसलों के अलावा प्राकृतिक जलधाराओं के पास व भूस्खलन एवं भूक्षरण वाली जगहों पर लगाया जा सकता है। प्रतिभागियों को बांस के प्रवर्धन तथा रोपण हेतु बांस की कलमें व ऑफसेट (offsets) भी बांटे गए। अधिकांश प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी उनके क्षेत्र में करवाए जाएँ ताकि अधिक से अधिक लोग लाभांबित हो सकें। कार्यक्रम के अंत में श्री प्रवीन रावत, वैज्ञानिक ने संस्थान के निदेशक, मुख्य वक्ता, अन्य सभी वक्ताओं, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अन्य सभी प्रतिभागियों का कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया ।

REGIONAL HORTICULTURAL RESEARCH & TRAINING STATION
MASHOBRA SHIMLA
क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र
मशोबरा, शिमला

पहाड़ी बांस: आजीविका का एक साधन
आयोजक:
पहाड़ी बांस : आजीविका का एक साधन
दिनांक : 13 जुलाई, 2022 स्थान : मशोबरा, शिमला (हि.प्र.)
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान